

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
सत्रांत परीक्षा
जून, 2022

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी
ई.एच.डी.-02 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : निम्नलिखित में से कोई पाँच प्रश्न कीजिए । प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

3×12=36

- (क) पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूं पहार ।
ताते यह चक्की भली, पीस खाय संसार ॥
मन मथुरा दिल द्वारका, काया कासी जाणि ।
दसवाँ द्वार देहरा तामै जोति पिछांणि ॥
- (ख) नहि परागु नहि, मधुर मधु, नहि विकास इहि काल ।
अलि, कली ही सौं बंध्यौं आगे कौन हवाल ॥
- (ग) मुझको बहुत उन्होंने माना,
फिर भी क्या पूरा पहचाना ?
मैंने मुख्य उसीको जाना,
जो वे मन में लाते । सखि वे मुझसे कहकर जाते ।

(घ) मुक्त करो नारी को मानव,
चिरनंदिनी नारी को,
युग-युग की बर्बर कारा से
जननी, सखी, प्यारी को ।
छिन्न करो सब स्वर्ण पाश,
उसके कोमल तन-मन के,
वे आभूषण नहीं दाम-उसके बंदी जीवन के ।

(ङ) वह धरती है उस किसान की
जो बैलों के कंधों पर
बरसात घाम में
जुआ भाग्य का रख देता है
खून चाटती हुई वायु में
पैनी कुसी खेत के भीतर
दूर कलेजे तक ले जाकर
जोत डालता है मिट्टी को
पाँस डालकर
और बीज फिर बो देता है
नये वर्ष में नयी फसल के
ढेर अन्न का लग जाता है
यह धरती है उस किसान की ।

2. 'पद्मावत' के संदर्भ में जायसी के काव्य की विशेषताएँ बताइए । 16
3. सगुण काव्य धारा में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान निर्धारित कीजिए । 16
4. रीतिमुक्त काव्य के आलोक में घनानंद काव्य का मूल्यांकन कीजिए । 16
5. भारतेंदुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । 16
6. जयशंकर प्रसाद के काव्य में वर्णित राष्ट्रीय भावना का सोदाहरण उल्लेख कीजिए । 16
7. प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए । 16
8. प्रयोगवाद और नयी कविता के संदर्भ में अज्ञेय काव्य की विशेषताएँ बताइए । 16
9. प्रबंध काव्य के परिप्रेक्ष्य में 'कुरुक्षेत्र' के वस्तु पक्ष का विवेचन कीजिए । 16
10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 8 = 16$
 - (क) अपभ्रंश काव्य
 - (ख) मीरा की भक्ति-भावना
 - (ग) द्विवेदीयुगीन काव्य
 - (घ) नागार्जुन का काव्य-शिल्प